भजन

तर्ज... बदरा बहार आई

हो पिया रुहों के साथ आए
खिलवत की बात लाए, आबे हयात लाए

1 रुहों के लिए सुख अर्श के लाऐ
भूले थे जो हम याद दिलाए

2 रुहों को याद आया, लाड तुम्हारा
न लगे तुम बिन इक पल जियरा

3 दिल में हमारे पिया जो कुछ आए
उपजाओ आप ही हमको दिखाऐं